मेरे नैना विच्च रसिया आन वसेया

मेरे नैना विच्च रसिया आन वसेया, नैन खोला किवें,
नैन खोला किवें, खोला किवें, खोला किवें, नैन खोला किवें.....

नैन खोलदे ते लोकी मेनू पुछदे, हां पुछदे,
कित्थे रखेया इ लाल नु लको के, हां लको के,
एह सुन के मैं नैना नु होर कसिया, नैन खोला किवें.....

राती सुपने दे विच रसिया आ गए, हां आ गए,
मेरी मांग विच्च सुहा रंग पा गए, हां पा गए,
मैं ता हो गयी सुहागन अंग अंग रंगेया, नैन खोला किवें.....

रब बनके ते जग विच आ गया, हा आ गया,
तीना लोका विच धुमा पा गया, हा पा गया,
कोने कोने दे विच प्रकाश हो गया, नैन खोला किवें.....

हारा वाले ने साडी दिति ज्ञान दी, हा ज्ञान दी,
मैं ता ला लई किनारी ओहदे नाम दी, हा नाम दी,
साडी पाके कलेजा मेरा रजिया, नैन खोला किवें.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29184/title/mere-naina-vich-rasiya-aan-vaseya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |